>

Title : Drought in Nawada District in Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): सभापति महोदय, माननीया अध्यक्ष जी ने नवादा संसदीय क्षेत्र के संबंध में मुझे बोलने के लिए इजाजत दी है, इसके लिए मैं आभार प्रकट करता हूं। सभापति महोदय, बिहार का नवादा जिला संपूर्ण रूप से सुखाड़ से अभिशप्त है। नदियां, तालाब सूखे हैं, जमीन के नीचे पानी का लेयर नहीं हैं, इंसान और पशु एक साथ पेयजल के लिए यत्र-तत्र बेबसी में घूमते रहते हैं। हजारों महिलाएं घड़े और बाल्टी लेकर दो-तीन किलोमीटर से पानी लाने के लिए बाध्य हो रही हैं। वे महीने में कभी-कभार ही स्नान कर पा रहे हैं। आजादी के 63 साल बाद भी यह स्थिति रोंगटे खड़ी करती है। नवादा जिले में जो भी थोड़ा बहुत पानी है, उसमें फ्लोराइड की मात्रा अधिक होने के कारण विकलांगता दर बहुत अधिक है। गांवों के गांवों में विकलांगों की पीड़ियां हैं। इस संबंध में राज्य से लेकर केन्द्र सरकार ने, इन वर्षों में, कोई सार्थक प्रयास नहीं किया है। इस जिले में परसकरी, तिलैया, घाघर नदियां हैं जो वर्षा के पानी के कारण तबाही का कारण बनती रही हैं। इस पर सिंचाई और विद्युत उत्पादन के लिए डैम बनाने की परियोजना वर्षों से लम्बित है। करीब 25 लाख की आबादी में दो-तिहाई आबादी महादलित, दलित, पिछड़े, अति-पिछड़े, अल्पसंख्यक एवं गरीब लोगों की है, जिन्हें आज भी रोटी-पानी उपलब्ध नहीं है। मैं केन्द्र सरकार से आग्रह करता हूं कि वे इन समस्याओं के लिए राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के साथ सामूहिक बातचीत कर, अभियान के तौर पर एक कारगर योजना बनाकर, अपने स्तर पर पहल करे और योजनाओं के निर्माण के लिए निधियां उपलब्ध कराए। मैं इस ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं।